22 February, 2024

वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (FSDC)

संदर्भ: *वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (FSDC) की 28वीं बैठक नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई।*

➢ **बैठक के बारे में:**

- FSDC की इस बैठक ने समावेशी आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए वित्तीय क्षेत्र में अंतर-नियामक समन्वय को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।
- साथ ही घरेलू और वैश्विक सूक्ष्म-वित्तीय स्थिति को देखते हुए उभरते वित्तीय स्थिरता जोखिमों का पता लगाने के लिए निरंतर सतर्कता बनाए रखने और सक्रिय प्रयासों पर जोर दिया गया।
- परिषद ने वित्तीय क्षेत्र में KYC प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने की रणनीति बनाई।
- इस बैठक में सामाजिक स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से सामाजिक उद्यमों द्वारा धन उगाही शुरू करने के उपायों पर चर्चा की गई।
- FSDC की इस बैठक में ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से अनधिकृत ऋण देने के प्रसार को रोकने हेतु किये जाने वाले प्रयासों को भी रेखांकित किया गया।
- FSDC ने सदस्यों को वित्तीय क्षेत्र की लचीलापन बनाए रखने के लिए सतर्कता बनाए रखने और सक्रिय प्रयास जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।
- FSDC की इस बैठक में वित्तीय क्षेत्र को और विकसित करने के लिए अंतर-नियामक समन्वय को महत्वपूर्ण बताया गया।

➢ **पृष्ठभूमि:**

- वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (FSDC) भारत सरकार द्वारा स्थापित एक शीर्ष स्तरीय निकाय है।
- इस तरह की नियामक संस्था बनाने की अवधारणा सबसे पहले 2008 में रघुराम राजन समिति द्वारा प्रस्तावित की गई थी।
- इसे औपचारिक रूप से 2010 में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी द्वारा भारत के वित्तीय क्षेत्र में व्यापक विवेकपूर्ण और वित्तीय नियमों को संबोधित करने के लिए स्थापित किया गया था।
- इस परिषद का लक्ष्य वैश्विक आर्थिक संकटों को रोकने और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारत की तैयारियों को बढ़ाना है।

➢ **संघटन/संरचना:**

- **अध्यक्ष:** भारत के केंद्रीय वित्त मंत्री।
- **सदस्य**: इनके सदस्यों में प्रमुख हितधारक शामिल हैं जैसे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर, वित्त सचिव या आर्थिक मामलों के विभाग (DEA) के सचिव, वित्तीय सेवा विभाग (DFS) के सचिव, अन्य।
- **नोट:** अध्यक्ष के पास परिषद की बैठकों के लिए आवश्यक समझे जाने वाले अतिरिक्त सदस्यों को आमंत्रित करने का अधिकार है।

➢ **उत्तरदायित्व:**

- वित्तीय स्थिरता, विकास और समावेशन सुनिश्चित करना।
- वित्तीय क्षेत्र में अंतर-नियामक प्रयासों का समन्वय करना।
- वित्तीय साक्षरता और समावेशन पहल को बढ़ावा देना।
- वित्तीय समूहों की निगरानी सहित व्यापक विवेकपूर्ण पर्यवेक्षण की देखरेख करना।

- FATF और FSB जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निकायों के साथ भारत की भागीदारी का समन्वय करना।

➢ **संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन:**

- RBI, IRDA, SEBI और PFRDA सहित मौजूदा नियामकों के कार्य परिषद को सौंपे गए हैं।
- आरबीआई गवर्नर की नेतृत्व वाली एक उप-समिति वित्तीय बाजारों पर उच्च-स्तरीय समन्वय समिति की जगह लेती है।
- इसके साथ ही क्षेत्रीय नियामकों की स्वायत्तता की रक्षा के उपाय सुनिश्चित किए गए हैं।
- वित्त मंत्रालय की भूमिका को परिभाषित करने और सदस्य नियामकों की स्वायत्तता की रक्षा के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं।

➢ **उद्देश्य और कार्यक्षमता:**

- FSDC का लक्ष्य वित्तीय बाजार नियामकों के बीच समन्वय बढ़ाना है।
- वित्त मंत्री की अध्यक्षता में, इसमें प्रमुख वित्तीय नियामक प्राधिकरणों के प्रमुख शामिल होते हैं।
- कार्यात्मक दिशानिर्देश नियामक स्वायत्तता के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हैं, प्रभावी सहयोग सुनिश्चित करते हैं।

इनर लाइन परमिट (ILP)

संदर्भ: *मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने सीएए कार्यान्वयन संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी प्रवासियों के प्रवाह को रोकने के लिए इनर लाइन परमिट विस्तार का आग्रह किया है।*

➢ **परिचय:**

- इनर लाइन परमिट (ILP) की शुरुआत ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान मैदानी इलाकों से आदिवासी क्षेत्रों का सीमांकन करने के लिए की गई थी।
- यह गैर-निवासियों के लिए कुछ राज्यों में प्रवेश करने और अस्थायी रूप से रहने की अनुमति के रूप में कार्य करता है।
- इनर लाइन परमिट का प्राथमिक उद्देश्य जनजातीय आबादी को संरक्षित करने के लिए संरक्षित राज्यों में बाहरी लोगों के प्रवेश को प्रतिबंधित करना है।

➢ **इतिहास और हालिया अपडेट:**

- ब्रिटिश फ्रंटियर विनियमन के तहत पेश किया गया, ILP गैर-निवासियों के प्रवेश और निकास को नियंत्रित करता है।
- प्रारंभ में इसे अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मिजोरम में लागू किया गया, मणिपुर को वर्ष 2020 में शामिल किया गया।
- इनर लाइन परमिट राज्य सरकारों द्वारा केवल यात्रा उद्देश्यों के लिए जारी किया जाता है।
- विदेशी पर्यटकों को विशिष्ट क्षेत्रों में प्रवेश के लिए संरक्षित क्षेत्र परमिट की आवश्यकता होती है।

➢ **ILP का महत्व:**

- ILP स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करता है।
- यह अवैध आप्रवासन को रोकता है.
- इनर लाइन परमिट उत्तर-पूर्वी राज्यों में जनसांख्यिकीय संतुलन की रक्षा करता है।
- साथ ही साथ इनर लाइन परमिट मूल जनजातियों को बाहरी हस्तक्षेप से बचाता है।

➢ **ILP की आवश्यकता वाले राज्य:**

- अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम और मणिपुर ILP जारी करते हैं।
- लक्षद्वीप और लद्दाख के कुछ जिलों में पहले ILP थे।

➢ **प्रयोज्यता और विनियम:**

- मणिपुर को घरेलू पर्यटकों के लिए ILP की आवश्यकता है; विदेशी पर्यटकों को संरक्षित क्षेत्र परमिट की आवश्यकता होती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- मिजोरम और नागालैंड में, घरेलू यात्रियों के लिए ILP अनिवार्य है, जबकि विदेशी पर्यटकों को संरक्षित क्षेत्र परमिट (Protected Area Permit - PAP) अथवा प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (Restricted Area Permit - RAP) की आवश्यकता होती है।
- अरुणाचल प्रदेश गृह मंत्रालय से संरक्षित या प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट अनिवार्य करता है।

Regions under the Sixth Schedule and ILP regime in the North East

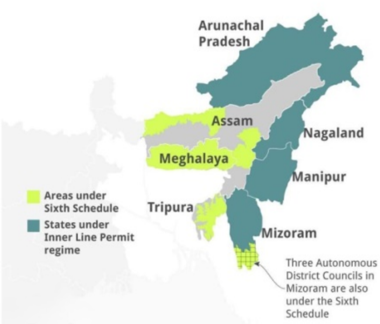

➢ **मणिपुर का विलय:**

- महाराजा बोधचंद्र सिंह ने आंतरिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।
- 1949 में, भारत सरकार ने विधान सभा से परामर्श किए बिना मणिपुर पर विलय का दबाव डाला था।
- 1972 में पूर्वोत्तर क्षेत्र अधिनियम के तहत मेघालय और त्रिपुरा के साथ मणिपुर एक पूर्ण राज्य बन गया।

J0529-4351: ब्रह्मांड की सबसे चमकीली वस्तु

संदर्भ: *यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला ने एक अविश्वसनीय रूप से उज्ज्वल क्वासर (Bright Quasar) की खोज का उल्लेख किया, जो अंतरिक्ष में अब तक देखी गई सबसे चमकदार और प्रकाशयुक्त वस्तु है।*

➢ **अवलोकन:**

- यह खगोलीय वस्तु क्वासर के मूल में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल है।
- क्वासर एक अत्यधिक सक्रिय और चमकदार कोर हैं जो दूर की आकाशगंगाओं में पाए जाते हैं, जो सुपरमैसिव ब्लैक होल द्वारा अपनी उर्जा प्राप्त करते हैं।

➢ **विशेषताएँ:**

- नया खोजा गया क्वासर, जिसका नाम J0529-4351 है, अब तक का ज्ञात सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्लैक होल है।
- इसका द्रव्यमान 17 अरब सूर्य के बराबर है और यह प्रतिदिन एक सूर्य के द्रव्यमान का उपभोग करता है।

➢ **दूरी और समय:**

- J0529-4351 इतनी दूर स्थित है कि इसके प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में 12 अरब वर्ष से अधिक का समय लगा।
- इसका आधिकारिक नाम इसके खगोलीय निर्देशांक से लिया गया है।

➢ **खोज:**

- 1980 से ESO की दक्षिणी स्काई सर्वे की छवियों में मौजूद होने के बावजूद क्वासर पर अब तक किसी का ध्यान नहीं गया था।
- ESO के VLT का उपयोग करते हुए, खगोलविदों ने एक चमकीले क्वासर की पहचान की, जो अब तक देखी गई सबसे चमकदार और प्रकाशयुक्त वस्तु है।
- क्वासर सुदूर आकाशगंगाओं के चमकदार कोर हैं जो सुपरमैसिव ब्लैक होल द्वारा संचालित होते हैं।

➢ **सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्लैक होल:**

- इस क्वासर के भीतर का ब्लैक होल तेजी से द्रव्यमान में बढ़ रहा है, जो प्रति दिन एक सूर्य की खपत के बराबर है, जो इसे ज्ञात सबसे तेजी से बढ़ने वाले ब्लैक होल के रूप में चिह्नित करता है।

➢ **चमक और ऊर्जा उत्सर्जन:**

- ब्लैक होल द्वारा पदार्थ एकत्र करने की ऊर्जावान प्रक्रिया के कारण क्वासर भारी मात्रा में प्रकाश उत्सर्जित करते हैं, जिससे वे आकाश में सबसे चमकदार वस्तुओं में से एक बन जाते हैं।
- 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर स्थित क्वासर J0529-4351, सूर्य से 500 ट्रिलियन गुना अधिक चमकीला है।

➢ **जांच और पहचान:**

- अपनी उल्लेखनीय चमक के बावजूद, रिकॉर्ड तोड़ने वाला क्वासर हाल के अवलोकनों तक किसी का ध्यान नहीं गया।
- ईएसओ दक्षिणी स्काई सर्वे की 1980 की छवियों ने शुरुआत में इसकी पहचान की, लेकिन बाद में इसे क्वासर के रूप में मान्यता नहीं दी गई।

➢ **पता लगाने में चुनौतियाँ:**

- क्वासर की पहचान करने के लिए बड़े आकाश क्षेत्रों से सटीक अवलोकन संबंधी डेटा की आवश्यकता होती है, जिसका अक्सर मशीन-लर्निंग मॉडल का उपयोग करके विश्लेषण किया जाता है।
- J0529-4351 की चमक ने शुरू में स्वचालित विश्लेषण कार्यक्रमों को क्वासर के बजाय इसे एक तारे के रूप में वर्गीकृत करने के लिए प्रेरित किया।

➢ **पुष्टिकरण और आगे का अध्ययन:**

- पिछले वर्ष, ANU 2.3-मीटर टेलीस्कोप के अवलोकन ने J0529-4351 को दूर के क्वासर के रूप में पुष्टि की थी।
- ESO के VLT और इसके एक्स-शूटर स्पेक्ट्रोग्राफ का उपयोग करके आगे के अध्ययन ने इसे सबसे चमकदार क्वासर के रूप में पुष्टि करते हुए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान किया गया।

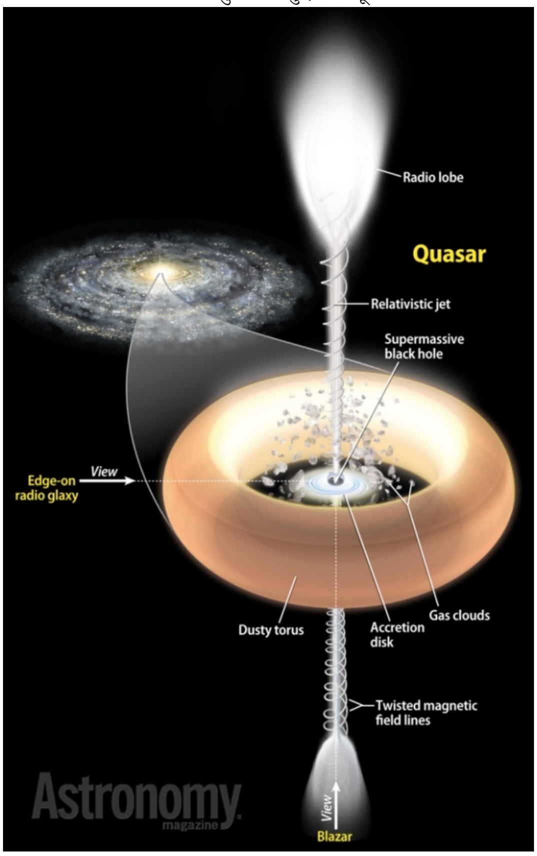

➢ **भविष्य की संभावनाएँ:**

- ESO के VLTI पर ग्रेविटी+ अपग्रेड और ELT के निर्माण से दूर स्थित ब्लैक होल के द्रव्यमान को मापने सहित ऐसी वस्तुओं के अध्ययन में वृद्धि होगी।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अफ्रीकी संघ

हाल ही में, अफ्रीकी राष्ट्राध्यक्षों ने इथियोपिया में अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन के दौरान गधे की खाल के व्यापार पर ऐतिहासिक प्रतिबंध लगाने पर सहमति व्यक्त की जिससे पूरे महाद्वीप में उनकी खाल के लिए गधों की हत्या पर रोक लगा दी गई।

अफ्रीकी संघ के बारे में:

- अफ्रीकी संघ (एयू) एक महाद्वीपीय संगठन है जिसमें 55 अफ्रीकी राष्ट्र शामिल हैं।
- इसकी स्थापना 2002 में अफ्रीकी एकता संगठन (OAU) के उत्तराधिकारी के रूप में की गई थी।
- इसके उद्देश्यों में महाद्वीपीय एकजुटता, एकता को मजबूत करना और विविध सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का समाधान करना शामिल है।
- इसकी कार्यकारी परिषद विदेशी मामलों के मंत्रियों से बनी है जो नीतिगत मामलों को देखती है और विधानसभा को सिफारिशें करते हैं।
- अफ्रीकी संघ (एयू) का मुख्यालय अदीस अबाबा, इथियोपिया में स्थित है।
- यह G20 का सदस्य है, जो वैश्विक व्यापार, वित्त और निवेश संरचनाओं को नया आकार देने का अवसर प्रदान करता है।

इंदिरा प्वाइंट

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने इंदिरा पॉइंट का दौरा किया और इसके रणनीतिक महत्व पर जोर दिया।

इंदिरा पॉइंट के बारे में:

- इंदिरा पॉइंट, जिसे पैग्मेलियन पॉइंट के नाम से भी जाना जाता है यह भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु है।
- यह पूर्वी हिंद महासागर में, निकोबार द्वीप समूह में, ग्रेट निकोबार द्वीप पर 6°45'10"N और 93°49'36"E पर स्थित है।
- पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के सम्मान में 10 अक्टूबर 1985 को इसका आधिकारिक तौर पर नाम बदल दिया गया, जिन्होंने 19 फरवरी 1984 को स्थानीय लाइट हाउस का दौरा किया था।
- इंदिरा पॉइंट 2004 के हिंद महासागर में आए भूकंप और सुनामी से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, जिसके कारण इसकी तटरेखा में महत्वपूर्ण बदलाव आया और भूमि का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया।
- इंदिरा प्वाइंट लाइटहाउस कोलंबो और सिंगापुर के बीच अंतरराष्ट्रीय जहाज मार्ग पर एक महत्वपूर्ण प्वाइंट है।
- भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, इंदिरा पॉइंट में केवल चार घर शेष हैं जिनकी प्रभावी साक्षरता दर 85.19% है।

रायसीना डायलॉग

हाल ही में, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रायसीना डायलॉग के 9वें संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यरियाकोस मित्सोटाकिस ने भारत की एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में भूमिका की प्रशंसा की।

रायसीना डायलॉग के बारे में:

- रायसीना डायलॉग भारत में नई दिल्ली में आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक बहुपक्षीय सम्मेलन है।
- 2016 में अपनी स्थापना के बाद से यह भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख सम्मेलन रहा है।
- इसका आयोजन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा भारत के विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया जाता है।
- 2024 संस्करण का विषय "चतुरंग: संघर्ष, प्रतिस्पर्धा, सहयोग, निर्माण" है।
- रायसीना डायलॉग 2016 का विषय "एशिया की कनेक्टिविटी" था, जबकि रायसीना डायलॉग 2017 ने "बहुविध ध्रुवता के साथ बहुपक्षवाद" पर चर्चा की और रायसीना डायलॉग 2018 ने "परिवर्तनशील संक्रमण का प्रबंधन: विचार, संस्थान और भाषा" पर चर्चा की।

डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल

हाल ही में, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन डिजिटल हेल्थ (जीआईडीएच) के सार्वजनिक लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित किया।

डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल के बारे में:

- डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (GIDH) एक WHO-प्रबंधित नेटवर्क है जिसे सभी जी20 देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया है।
- इसे भारत की G20 अध्यक्षता के दौरान गांधीनगर में स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य वैश्विक दक्षिण में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य परिवर्तनों में डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों को लोकतांत्रिक बनाना है।
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य सेवा के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देता है और एक इंटरऑपरेबल डिजिटल पारिस्थितिकी बनाता है।
- GIDH नेटवर्क के नेटवर्क के रूप में कार्य करता है, जिसमें कंट्री नीड्स ट्रैकर, कंट्री रिसोर्स पोर्टल, ट्रांसफॉर्मेशन टूलबॉक्स और नॉलेज एक्सचेंज जैसे घटक शामिल हैं

निएंडरथल

हाल ही में हुए शोध से पता चलता है कि निएंडरथल, जिन्हें अक्सर "मंदबुद्धि" माना जाता था, वास्तव में "प्रारंभिक इंजीनियर" थे। उन्होंने अपने पत्थर के औजारों की टिकाऊपन बढ़ाने के लिए बहु-घटक गोंद बनाए थे।

निएंडरथल के बारे में:

- निएंडरथल विलुप्त हो चुकी मानवों की एक प्राचीन प्रजाति थी जो लगभग 40,000 साल पहले तक यूरेशिया में रहती थी।
- उन्हें होमो सेपियन्स निएंडरथलेंसिस के नाम से भी जाना जाता है।
- वे आधुनिक मनुष्यों से निकट से संबंधित माने जाते हैं। लगभग 40,000 साल पहले रहने वाले आधुनिक मनुष्यों में 6-9% तक निएंडरथल डीएनए पाया गया है।
- वे औजार बनाने, आग पर नियंत्रण, आश्रय बनाने, कपड़े बनाने, बड़े जानवरों का शिकार करने, पौधे खाने और कभी-कभी प्रतीकात्मक वस्तुएँ बनाने में माहिर थे।
- उनकी बड़ी नाक, मजबूत भौंहें, चौड़े-चौड़े शरीर थे और उनकी लंबाई लगभग 1.50-1.75 मीटर थी।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में व्यक्तित्व

फली सम नरीमन

भारत के प्रधानमंत्री ने प्रख्यात न्यायविद और वरिष्ठ अधिवक्ता फली सम नरीमन के निधन पर शोक व्यक्त किया।

फली सम नरीमन (Fali Sam Nariman) (10 जनवरी 1929 – 21 फरवरी 2024):

रंगून, बर्मा (वर्तमान यांगून, म्यांमार) में एक पारसी परिवार में जन्मे फली सम नरीमन धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के संरक्षक और भारतीय न्याय प्रणाली के अग्रणी स्तंभों में से एक थे।

योगदान:

- 1991 से 2010 तक बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल नेतृत्व और कानूनी सुधारों का समर्थन करने के लिए जाना जाता है।
- उन्होंने मई 1972 से जून 1975 तक भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य किया, लेकिन 26 जून, 1975 को आपातकाल की घोषणा के विरोध में इस्तीफा दे दिया।
- ये "गॉड सेव द सुप्रीम कोर्ट" पुस्तक के लेखक हैं जिसमें उन्होंने न्यायाधीशों के बीच सहयोगी भावना की कमी और न्यायिक कार्यवाही को कवर करने के लिए स्वतंत्र प्रेस की आवश्यकता की आलोचना की।
- उन्होंने 1993 में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (AoR) एसोसिएशन जैसे मामलों के माध्यम से भारत की उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति के आसपास कानूनी ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुरस्कार और सम्मान:

- नरीमन को 2018 में 19वें लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- उन्हें पद्म भूषण (1991), पद्म विभूषण (2007) और ग्रुबर पुरस्कार फॉर जस्टिस (2002) से सम्मानित किया गया था।
- उन्हें एक कार्यकाल (1999-2005) के लिए राज्यसभा के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

नैतिक मूल्य: ईमानदारी, समर्पण, न्याय, नेतृत्व, आदि।

सुर्खियों में स्थल

पापुआ न्यू गिनी

हाल ही में, पापुआ न्यू गिनी के सुदूर हाइलैंड्स क्षेत्र में आदिवासी हिंसा में 53 लोगों का नरसंहार हुआ।

पापुआ न्यू गिनी (राजधानी: पोर्ट मोरेस्बी)

अवस्थिति: पापुआ न्यू गिनी एक द्वीप देश है जो दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में कोरल सागर और दक्षिण प्रशांत महासागर के बीच स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: पापुआ न्यू गिनी की सीमा सोलोमन द्वीप (पूर्व), इंडोनेशिया (पश्चिम) और ऑस्ट्रेलिया (दक्षिण) से लगती है।

भौतिक विशेषताएँ:

- सेपिक नदी न्यू गिनी द्वीप पर सबसे लंबी नदी है और अपवाह क्षेत्र अनुसार ओशिनिया कि दूसरी सबसे बड़ी नदी है।
- बिस्मार्क रेंज में बसा माउंट विल्हेम पापुआ न्यू गिनी की सबसे ऊंची चोटी है।
- पापुआ न्यू गिनी में कई ज्वालामुखी हैं जिनमें से लगभग 60% सक्रिय हैं।
- पापुआ न्यू गिनी की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।
- देश में सोना, तांबा, चांदी, निकल और कोबाल्ट सहित कई खनिज हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में नीम शिखर सम्मेलन के आयोजन में किस संगठन ने सहयोग किया? **- ICAR-केंद्रीय वन कृषि अनुसंधान संस्थान**
- हाल ही में हैजा फैलने के कारण भारत ने किस देश को चिकित्सा सहायता भेजी है? – **जाम्बिया**
- पापुआ न्यू गिनी की राजधानी का नाम क्या है ? **- पोर्ट मोरेस्बी**
- पुणे (महाराष्ट्र) में स्थित कौन सा किला, 1595 में राजा बहादुर निजाम द्वितीय द्वारा मालोजी भोसले को प्रदान किया गया था और यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान भी है? **- शिवनेरी किला**
- 2024 के लिए हेनली पासपोर्ट इंडेक्स में भारत की रैंकिंग क्या है? **- 85वां स्थान**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com